भारत सरकार

रक्षा मंत्रालय

रक्षा अनुसंधान तथा विकास विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4997

01 अप्रैल, 2022 को उत्तर के लिए

डीआरडीओ की रक्षा और विकास परियोजनाएं

4997. श्रीमती नुसरत जहां:

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) विभिन्न अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) परियोजनाओं को चलाता है;

(ख) यदि हाँ, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान शुरू की गई परियोजनाओं का प्रयोगशाला-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान डीआरडीओ द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार अनुसंधान और विकास के उद्देश्य के लिए डीआरडीओ को अलग से निधि प्रदान करती है; और

(ङ) यदि हाँ, तो डीआरडीओ को 2022-23 के बजट में केवल अनुसंधान और विकास के उद्देश्य के लिए कुल कितनी निधि प्रदान की गई ?

उत्तर

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अजय भट्ट)

(क) और (ख) जी, हाँ। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) विभिन्न तकनीकी क्षेत्रों में कार्यरत अपनी प्रयोगशालाओं के माध्यम से विभिन्न अनुसंधान और विकास (आर एंड

डी) परियोजनाएं चलाता है। डीआरडीओ द्वारा वर्ष 2019-2021 के दौरान 249 अनुसंधान और विकास परियोजनाएं स्वीकृत की गई थीं। डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं द्वारा चलाई जा रही कुछ मुख्य परियोजनाएं निम्नलिखित क्षेत्रों में हैं :-

- मिसाइल
- रडार
- कवचित वाहन
- टैंक रोधी गोला बारुद, रॉकेट, मशीन गन और फ्यूजेज
- सोनार और टारपीडो
- माइन डिटेक्शन सिस्टम
- एंटी-एयरफील्ड वेपन
- फायर फाइटिंग एंड प्रोटेक्शन सिस्टम्स
- मेरीटाइम सिचुएशनल अवेयरनेस सिस्टम्स, बार्डर सर्विलांस सिस्टम
- ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन
- स्माल टर्बो फैन इंजन
- न्यू जनरेशन रेडियोज, एसएटीसीओएम सिस्टम
- ऑटोनॉमस अंडरवाटर व्हीकल
- ईडब्ल्यू सिस्टम्स एंड चैफ काट्रिजेज
- एयर कंटेनर
- फ्यूल सेल्स
- ऑर्डिनेंस हैंडलिंग रोबोट
- सीकर्स
- सिस्टम ऑन चिप
- नेवीगेशन सिस्टम
- एमईएमएस स्विचेज
- पैराशूट सिस्टम्स

(ग) डीआरडीओ द्वारा विगत तीन वर्षों के दौरान विकसित कुछ मुख्य प्रौद्योगिकियों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- क्वांटम रैंडम नम्बर जनरेटर एंड क्वांटम की डिस्ट्रीब्यूशन
- हाइपरसोनिक टेस्ट डेमंसट्रेशन
- एएसएटी डेमंसट्रेशन
- सिंगल क्रिस्टल ब्लेड्स
- स्टील्थ टेक्नोलॉजी
- एडवांस्ड एआई टेक्नोलॉजीज
- इलेक्ट्रोमैग्नेटिक लांच टेक्नोलॉजी
- नैनोटेक्नोलॉजी
- कॉम्पलेक्स कंसेंट्रेटेड एलोय
- काउंटरमेजर टेक्नोलॉजीज
- कम्पोजिट आर्मर टेक्नोलॉजीज
- बायोरेमेडिएशन टेक्नोलॉजी
- थिएटर एंड टेरेन बेस्ड फूड टेक्नोलॉजीज
- प्रोपल्शन टेक्नोलॉजी
- कॉग्निटिव टारगेट डिटेक्शन
- मल्टीफंक्शनल मोइस्चर बैरियर फॉर फायर प्रोटेक्टिव स्यूट्स
- अंडरवाटर कम्यूनिकेशन
- बायोमेडिकल सपोर्ट सिस्टम्स
- हैलोन अल्टरनेटिव्स एंड इको-फ्रैंडली फायर फाइटिंग फोम
- एडवांस्ड मैटेरियल्स एंड मैटेरियल्स फॉर हाइपरसोनिक
- एडवांस्ड फंक्शनल मैटेरियल्स
- एडवांस्ड नैनो फ्लूड टेक्नोलॉजी
- नॉवेल नैनोमैटेरियल्स एंड हाइब्रिड नैनोकंपोजिट्स
- अर्ली वार्निंग सिस्टम फॉर लैंडस्लाइड्स
- लो वल्नरेबल हाई परफॉर्मेंस प्रोपेलेंट
- हाई एनर्जी मैटेरियल्स
- हाई पावर मिलीमीटर वेव जिरोट्रान
- एडैप्टिव कंपोजिट स्ट्रक्चर

- एवालांच असेसमेंट एवालांच फोरकास्टिंग
- एडवांस्ड पर्सनल प्रोटेक्टिव सिस्टम
- एडवांस्ड पीजोमैटेरियल्स
- पैनल्स फॉर ब्लास्ट एंड बैलिस्टिक रेजिस्टेंस
- एडिटिव मैन्यूफैक्चरिंग एंड पॉलीमर कंपोजिट्स
- नेटवर्क सिक्योरिटी असेसमेंट टेक्नीक
- टीएचजेड डिटेक्टर

(घ) जी, हां। डीआरडीओ को रक्षा सेवाएं अनुमानों के एक भाग के रूप में अलग से निधि आबंटित की जा रही है। राजस्व और पूंजीगत खंडों के अंतर्गत अलग-अलग आबंटन किया जा रहा है। इस निधि में राजस्व खंड के अंतर्गत अनुसंधान और विकास, वेतन और भत्ते, परिवहन, भंडार, वर्क्स, प्रशिक्षण और अन्य व्यय तथा पूंजीगत खंड के अंतर्गत मशीनरी और उपस्कर तथा वर्क्स जैसे विभिन्न शीर्षों पर व्यय शामिल है।

इस बजटीय आबंटन का उपयोग विभिन्न अनुसंधान और विकास परियोजनाएं चलाने और सामरिक योजनाओं के निष्पादन के लिए किया जा रहा है।

(ड.) वित्त वर्ष 2022-23 के लिए बजट अनुमान (स्वीकृत) में रक्षा अनुसंधान तथा विकास विभाग हेतु कुल 21330.20 करोड़ रु. का प्रावधान है।

*****